हिन्दी (कक्षा 10)

सीखने के संभावित प्रतिफल	सहायक सामग्री	सुझावात्मक क्रियाकलाप/ गतिविधियाँ
• कविता की समझ आनन्द एवं रचना (सुनना-देखना-पढ़ना-लिखना) • पाठ्यपुस्तक में शामिल कविताओं के साथ-साथ अन्य कविताओं को भी पढ़ते-लिखते हैं। • कविता की लय-तान-ध्वनि पर ध्यान देते हैं। • अपने परिवेश में होने वाली घटनाओं के प्रति सजग होकर अपनी बात, विचार अभिव्यक्त करते हैं मौखिक-लिखित रूप में। जैसे- 'कोरोना वायरस' से प्रभावित देश-दुनिया का जन-जीवन। • अपने परिवेश/ पर्यावरण मे आए सकारात्मक/ नकारात्मक बदलावों को कविता, कहानी, निबंध के रूप में अथवा अपने ढंग से कहते/ लिखते हैं। (भाषा/अनुभवों का सृजनात्मक प्रयोग ।)	ICT का उपयोग करते हुए पाठ्यपुस्तक में दिए गए क्यूआर कोड (QR Code) की सहायता ले सकते हैं। • टी.वी. पर प्रसारित कार्यक्रम, इंटरनेट, रेडियो आदि। • NCERT, E-Pathshala, CIET आदि की वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री को देख सकते हैं। www.ncert.nic.in, www.ciet.nic.in,, www.swayamprabha.gov.in ***रा.शै.अ.प्र.प. की पाठ्यपुस्तक 'क्षितिज भाग 2' में संकलित कविताएँ*** • 'उत्साह', 'अट नहीं रही है' — सूर्यकांत त्रिपाठी निराला • 'यह दंतुरित मुसकान'— नागार्जुन अथवा संबंधित विषय की कोई भी अन्य कविता • टी.वी., इंटरनेट, रेडियो आदि पर प्रसारित 'कोरोना वायरस' संबंधित कार्यक्रम।	**पहला और दूसरा सप्ताह** • सहायक सामग्री (ICT) पर उपलब्ध कविताओं का उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ करे। • कविता में आए नये शब्दों पर ध्यान दें। आवश्यकता- अनुसार 'शब्दकोश' का सहारा ले सकते हैं। • कविता की लय-तान पर ध्यान दें। • कविता को विस्तृत सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में समझने का प्रयास करें। • ICT पर उपलब्ध संबंधित कवि की अन्य कविताओं के बारे में जानने-समझने का प्रयास करें। **तीसरा और चौथा सप्ताह** • घर में उपलब्ध टी.वी, इंटरनेट, रेडियो व अन्य ICT सामग्री की सहायता से 'कोरोना वायरस' संबंधी तथ्यात्मक जानकारी का संकलन करें। • वैज्ञानिक आधार पर तत्थों के विश्लेषण को समझे तथा इसे अपनी नोटबुक में लिखें। • विस्तृत जानकारी के लिए अपने परिवार के साथ विचार-विमर्श करें। आवश्यकतानुसार स्वयं भी सचेत रहें और परिवार के सदस्यों को भी सचेत करें। • इस कार्य को एक प्रोजेक्ट की तरह कर सकते है। जिसे बाद में अपने शिक्षक/ साथियों से साझा कर सकते हैं। • अपने निकट के परिवेश जैसे- घर/परिवार/ प्रकृति/ पर्यावरण/ आदतों/ संसाधनों के उपयोग में आ रहे सकारात्मक-नकारात्मक अनुभवों को नोट करते है। उन्हें अपनी भाषा-शैली (ढंग) से समझने, कहने/लिखने की कोशिश करें।